एक ऐसा हस्तक्षेप : जिसने द्विराष्ट्र सिद्धान्त के आधार को ही तोड़ दिया

पंकज कुमार सिंह

पाकिस्तान द्वारा की गई सैनिक कारवाई के परिणामस्वरूप लगभग एक करोड़ शरणार्थी भारत आ गये थे और बाध्य होकर भारत को उस क्षेत्र में कारवाई करनी पड़ी। जिसके परिणाम स्वरूप स्वतंत्रता बांग्लादेश के अभ्यूदय के रूप में सामने आया। फिर भी यह आरोप लगाया जाता है कि बांग्लादेश में स्वायता आंदोलन का संबंध विदेशी पृथकतावादी शक्तियों से था। ऐसे आलोचकों का यह आरोप है कि बांग्लादेश में चल रहे स्वायत्तता आंदोलन को बढ़ावा देकर स्वतंत्र राज्य के निर्माण के लिए भारत द्वारा प्रोत्साहन दिया गया क्योंकि पाकिस्तान को विखंडित कर उसे कमजोर किया जाए।

जहां तक बांग्लादेश में आंदोलन का प्रश्न हैं यह भारत द्वारा प्रोत्साहित नहीं था। मूलतः यह स्वयं बांग्लादेश की आम जनता द्वारा आत्मनिर्णय की मांग से संबंधित था जो पाकिस्तान के साथ रहते हुए भी क्षेत्रीय आधार पर स्वायतता की मांग कर रहे थे। इस संदर्भ में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी ने यह स्पष्ट किया कि यदि पाकिस्तान के दो भागों में संघर्ष है तो यह हमारे कारण नहीं है बल्कि यह स्वयं पाकिस्तान शासकों के कारण है।